

www.BibleForChildren.org

मत्ती 8



तीसर रोज गलील सहर के काना हे कउनो के काज रथै अउ उहां यीसु के दाय रथै। जेखर घर हे काज रथै, उन यीसु अउ ओखर चेलन के बुलाय रथै।



उहां जब अंगूर कर रस बढाय जथै, तब यीसु के दाय कथै, "उनखर लिघघो अंगूर कर रस नेहको हबै।" फेर ओखर दाय ओखर सेबकन लग कथै, जउन कुछु ऊ तुम्हर लग कहि उहै करिहा।



यीसु उनखर लग कथै, गघरी हे पानी भर देया तब उन
गघरी हे पानी फुल्य भर देथै। तब ऊ उनखर लग कथै,
अब निकाडके दावत के परधान के लिधो लइ जा। अउ
उन ओसनेन करथै।



जब दावत के परधान ऊ पानी के पीथै, जउन अंगूर के रस्सा बन जथै
अउ उनके पता नेहको चलथै, कि दाखरस कछो लग आय हबै, पय जउन
सेबक पानी के निकाडथै

ऊ जानथै, ता ऊ परधान दुलहा
के बुलवाइस, अउ ओखर लग
कथै, हर अकठी मनसे पहिले
निकखा अंगूर कर रस देथै अउ
जब मनसे पी के टुल्य हुइ जथै,
तब फेर घटिया देथै,
पय तुम निकखा अंगूर
के रस बचाय के
रखे हबस।



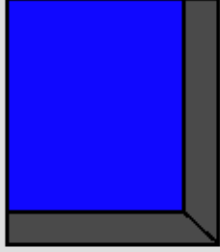
यीसु गलील सहर के काना गांव हे अपन हइ
पहिले चकित कर काम दिखाथै अउ अपन महिमा
के परगट करथै अउ ओखर
चेला यीसु हे बिस्वास करथै।



जब यीसु पतरस कर घर पहुंचथै, तब ऊ देखथै,
कि पतरस के फुवा के बुखार चढे हबै।



यीसु ओखर हाथ छिथै अउ उहै टेम ओखर बुखार उतर गइस,
फेर ऊ ओखर सेवा करै लागथै।



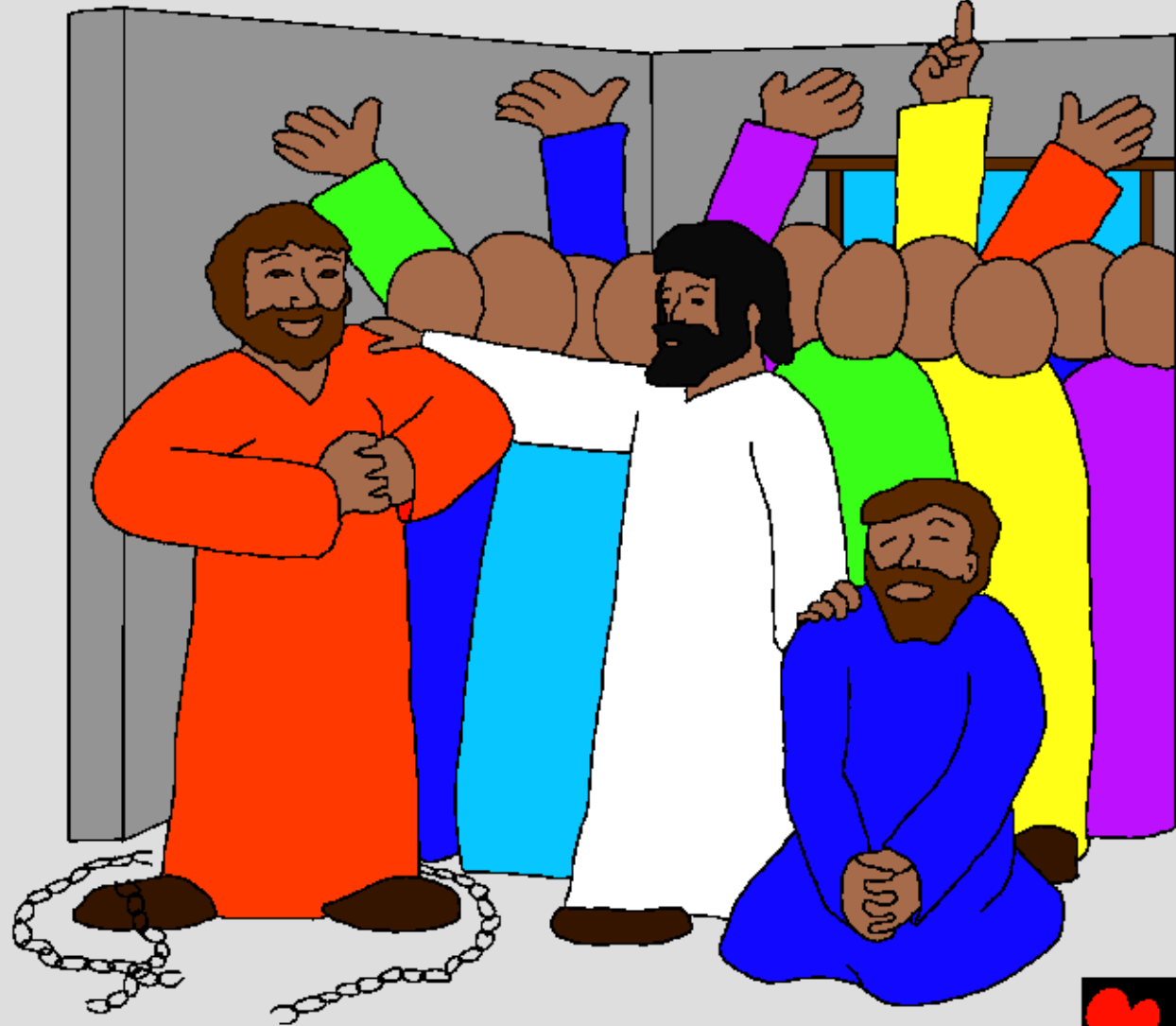
सांझ के टेम जब बेरा बुढे लगथै, ता मनसे अपन कइन मेर के नंगहन के अउ जउन मनसे के भुतवा पकडे रथै, उके यीसु के लिघघो लानथै। अउ नगर के सगलू मनसे घर के दूरा के लिघघो पहुंच जथै।



यीसु कइन मेर के नंगहन के निकखा करथै, अउ बोहत भुतवन के भगाथै,
अउ भुतवन के बोलै नेहको देथै, काखे ऊ ओही चीनथै।



सगलू मनसे यीसु के छियै के परयास करथै, काखे ओखर लग सक्ति
निकर के बोहत लग मनसेन के निक्खा करथै।



ता चारठे मनसे लोकवा बाले मनसे के यीसु के लिघघो लानथै।



बोहत भीड के कारन ओखर लिघघो नेहको
पहुंचथै, ता उन जछो ऊ रथै, उहै के छानी के
खपरा के टरकाय के, ऊ लोकवा
मनसे के खटिया सहित यीसु कर
आगू उतार देथै।



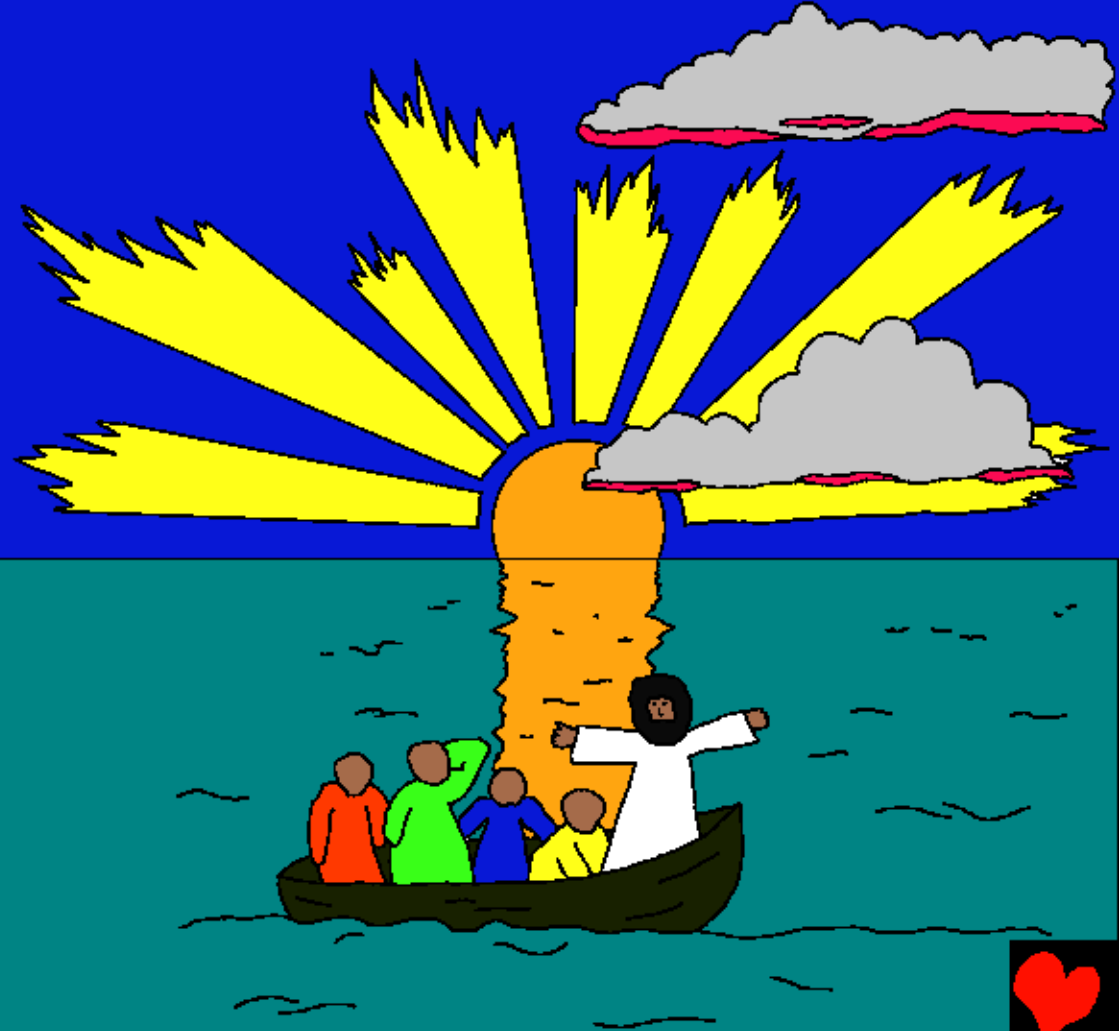
यीसु चारोठे मनसे के बिस्वास के देखके लोकवा मनसे लग कथै,
"हे टोरवा तोर पाप छमा हुइसा।"
"मै तोर लग कथो, उठ, अउ
अपन खटिया के उठाय के
अपन घर छो कढ जा।"



जब यीसु नाह जिहाज हे बइठिस, ता ओखर चेलो ओखर संग हुइ लेथै।
उहै टेम दहार हे एतका भयंकर बडेरा
उठिस, कि नाह जिहाज लेहरा लग बुडे
लग जथै, पय यीसु ऊ टेम सोउत रथै।



यीसु उनखर लग कथै, "हे अबिस्वासी तुम काखे डरथा?" तब ऊ उठके बडेरा अउ पानी के गधारिस, अउ उहै टेम सब कुछ सान्त हुइ गइस। चेला चकरा गइन अउ कहै लागथै, हइ कइसन मेर के मनसे हबै, कि बडेरा अउ पानी ओखर बात मानथै।



भगवान हइ दुनिया लग अइसन माया करिस,
कि ऊ अपन अकठी टोरवा के दइ दइस, ताकि
जउन कउ ओखर उप्पर बिस्वास करही, ऊ
नेहको मरही, बलुक सबरोज के जीवन पाही।



रोमियो 3:23 काखे सगलू ज्ञान पाप करे हबै अउ सगलू ज्ञान भगवान कर
महिमा लग दुरिहां हुइ गय हबै।

रोमियो 6:23 काखे पाप के मजदूरी ता मरै के हबै, पय भगवान के बरदान
हमर परभु यीसु मसीह हे सबरोज के जीवन हबै।

इब्रानिन 9:27 जउन मेर मनसेन के निता अक्कै बेर मरना अउ एखर बाद
ओखर नियाव होय के निता तय हबै।

इफिसियों 2:8,9 काखे बिस्वास के द्वारा अनुग्रह लग तुम्हर मुकति होय
हबै अउ हइ तुम्हर पल्ला लग नेहको, पय भगवान के बरदान हबै,
हइ तुम्हर कउनो काम के कारन नेहको मिलथै, असना झइ होय कि
कउ घमंड करै।

रोमियो 10:9,10 काखे अगर तुम मुंह लग सुइकार करथा कि यीसु परभु
हबै, अउ मन लग बिस्वास करथा कि भगवान उके मरे हर मसे जिन्दा
करिस, ता तुमही मुकति मिलही। काखे नियाइपन के निता मन लग
बिस्वास करै लग धरमी मनसे ठहरथै, अउ मुंह लग सुइकार करै लग
उके मुकति मिलही।



यूहन्ना 3:16,17 "भगवान हइ दुनिया लग अइसन माया करिस, कि ऊ अपन अक्ठी टोरवा के दइ दइस, ताकि जउन कउ ओखर उप्पर बिस्वास करही, ऊ नेहको मरही, बलुक सबरोज के जीवन पाही। भगवान अपन टोरवा के दुनिया हे इहैनिता नेहको पठोइस कि दुनिया हे सजा के आदेस दे, पय इहैनिता दुनिया ओखर द्वारा मुकति पाबै।"

1 यूहन्ना 5:11-13 अउ ऊ गवाही हइ हबै, भगवान हमके सबरोज के जीवन दय हबै, अउ हइ जीवन ओखर टोरवा हे हबै। जेही टोरवा मिल गय हबै, ओही जीवन मिल गय हबै, अउ जेही भगवान कर टोरवा नेहको मिले हबै, ओखर हे जीवन नेहको हबै। तुम सगला भगवान कर टोरवा के नाम हे बिस्वास करथा, मै तुमके हइ चिट्ठी लिखथो जेखर लग तुम हइ जान लेया कि तुमही अनन्त काल के जीवन मिले हबै।



मत्ती 8-9; मरकुस 1-2, 4; लूका 4, 8; यूहन्ना 2

Storyline by: Edward D. Hughes

Illustrated by: Byron Unger, Lazarus
and Alastair Paterson

Adapted by: E. Frischbutter; Sarah S.

Bhumiya Bible (bhu) © The Word for the World International
and © 2025 Bhumiya Bhasha Samiti, Madhya Pradesh

<https://www.bible.com/en-GB/bible/3712/MAT.1.BTP25>

©2026 Bible for Children, Inc.

www.M1914.org

www.bibleforchildren.org

